did he get the money from? (*Interruptions*) He is flying to other nations also... (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: I won't permit you... (*Interruptions*)

SHRI S. MUTHU MANI: What does Mr. Subramanian Swamy know... (*Interruptions*)

DR. JINENDRA KUMAR JAIN (Madhya Pradesh): Madam...

THE DEPUTY CHAIRMAN: You are back, Dr. Jain. Welcome to the House.

RE. STARVATION DEATHS IN BIHAR

श्री यशवन्त सिन्हा (बिहार) : उपसभापति महोदया, मैं कोई दलगत राजनीति से संबंधित मामला नहीं बल्कि एक मानवीय मामला इस सदन में उठाना चाहता हूं बहुत ही दुख और तकलीफ के साथ। खैटामियां जो हजारीबाग जिले के किरेदारी प्रखंड के रहने वाले थे उनका नाम भारत के इतिहास में स्वर्ण अक्षरों में नहीं लिखा जायेगा। शायद हम उनको कभी याद भी नहीं करेंगे। क्योंकि उन्होंने कोई ऐसा काम नहीं किया जिससे उनको याद किया जा सके। उनके साथ सिर्फ एक दुर्घटना घटी कि वह स्वतंत्र भारत में 45 वर्षों की आजादी के बाद सात दिन लगातार भूखे रहने के बाद दम तोड़ गये और मृत्यु को प्राप्त हो गये।

मैं उनके गांव में गया था। उनके परिवार वालों से मैं जाकर मिला। अभी जब हम होली की छुट्टियां मना रहे थे और देश होली की खुशियां मना रहा था उस गांव में मातम छाया हुआ था। न केवल खैटामियां परलोक सिधार गये भूखे तड़पते हुए बल्कि उस प्रखंड में, पूरे इलाके में बहुत से ऐसे लोग हैं जो आज भी बहुत मुश्किल से जीने की कोशिश कर रहे हैं और कब वे दम तोड़ देंगे यह कहना मुश्किल है। दो व्यक्तियों से खास तौर से मैं मिला। एक मोहम्मद हुसैन हैं और दूसरे मणि महतो हैं। ये दो लोग भूखे रहने के कारण दम तोड़ने के कगार पर हैं।

खैटामियां की जो विधवा पत्नी है उनको अब कोई देखने वाला नहीं है। जब मैं वहां पर गया तो वह मेरे कदमों में गिरने की कोशिश करने लगी। इसलिए कि उन्होंने समझा कि शायद मैं उनको कोई राहत पहुंचाने की स्थिति में हूंगा।

मैं आपसे निवेदन करना चाहता हूं कि हम सब इस सदन में बैठे हैं। यहां पर बहुत तरह की चर्चाएं हम करते हैं। मैं जानना चाहता हूं कि आजाद हिन्दुस्तान में 45 वर्षों की आजादी के बाद भी क्या यह स्थिति होनी चाहिए कि इस देश के विभिन्न भागों में लोग आज भी भूख से मरने को बाध्य हों। आज भी वे तड़पते हुए दम तोड़ दें इसलिए कि दिनोदिन उनको कुछ भी खाना नसीब नहीं होता है। मैं आपसे जानना चाहता हूं कि क्या सांसदों की हैसियत से इस देश की सबसे बड़ी पंचायत में बैठकर हम उनके साथ न्याय कर रहे हैं या नहीं कर रहे हैं? कालाहांडी का नाम दुनियां भर में मशहूर है इसलिए कि वहां लोग भूख से मरे, बिहार में पलामू का नाम दुनियां भर में मशहूर है कि वहां भी लोग भूख से मरते हैं। आज हजारी बाग जिले के इस खंड में पलामू से जिसकी सरहद मिलती है वहां लोग भूख से मर रहे हैं। देश के दूसरे हिस्सों में आज इसी प्रकार की बातचीत हो रही है। मैं जानना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार इसके बारे में क्या कर रही है? मैं जानना चाहता हूं इस सदन से कि हम सब यहां पर बैठकर क्या कर रहे हैं, क्योंकि मैं मानता हूं कि इससे बढ़कर शर्म की बात हमारे लिए दूसरी कुछ नहीं हो सकती है कि हमारे यहां लोग भूख से तड़फ तड़फ कर मरें। वहां पर कोई भी अधिकारी, वहां पर कोई भी पंचायत का मुखिया, सरपंच इस स्थिति में नहीं था कि उनकी कोई मदद कर सके। बराबर सरकार की तरफ से एक ही एक्सप्लेनेशन आता है कि वह हार्ट फैल्योर हो गया, वह बीमार चल रहा था। जो आदमी लगातार भूखा रहेगा वह रोग की चपेट में आएगा ही, यह सर्वविदित है और इसलिए मैं इस सवाल को यहां पर उठाना

[श्री यशवन्त सिन्हा]

चाहता हूं और सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि राज्य और केन्द्र के मामले में न पड़ करके, इस सवाल में न उलझ करके हम यहां पर तय करें कि भूख से मरने वाले लोगों के लिए हम तुरन्त कुछ न कुछ करेंगे । मैं इस सदन के माननीय सदस्यों से और आपसे माननीय उपसभापति महोदया, यह निवेदन करना चाहता हूं कि इस सदन का एक प्रतिनिधि मंडल तुरन्त जाये । हम यहां पर तय करें कि इस सदन का एक प्रतिनधि मंडल तुरन्त भेजेंगे, कालाहांडी भेजेंगे, हम पलामू भेजेंगे, हजा हजारीबाग भेजेंगे । जैसा कि हम जानते हैं, लोग भूख से तड़फ तड़फ कर मरते हैं । वह प्रतिनधि मंडल, वह डेलीगेशन लौट कर आये और इस सदन को अवगत कराये कि वहां पर क्या स्थिति है, सरकार कौन-से उपाय करना चाहती है ताकि लोग नहीं मरें । इसमें एक मिनट का भी समय अगर हम बर्बाद करेंगे तो मुझे लगता है कि एक न एक दिन किसी बेगुनाह व्यक्ति की मौत के लिए हम जिम्मेदार होंगे । इसलिए आपके माध्यम से मैं सरकार और इस सदन से निवेदन करना चाहता हूं, पार्लियामेंटरी एफेयर्स के दोनों मंत्री यहां पर बैठे हुए हैं, मैं उनसे भी निवेदन करना चाहता हूं कि आप जल्द से जल्द एक डेलीगेशन इस सदन का भेजें जो इन हिस्सों में जाये और वहां जाकर इसकी तहकीकात करके हमारे इस सदन को अपनी रिपोर्ट दे ।

श्रीमती सत्या बहिन (उत्तर प्रदेश) : मैं इसमें अपने आप को एसोसिएट करती हूं । यह बहुत गम्भीर मामला है ।

THE DEPUTY CHAIRMAN: Everybody associates himself with this. It is a very sad state of affairs and I am sure that the Parliamentary Affairs Minister will niform the Government about it... (*Interruptions*)...

SHRI SIKANDER BAKHT (THE LEADER OF THE OPPOSITION): Madam, telling the Government is not enough... (*Interruptions*)... We have to find out whether we are prepared to agree to send a team of Members of this House to all these places and see

....

what sort of effective steps they are going to take. This is not just a formality... (*Interruptions*) ...

SHRI VIREN J. SHAH (Maharashtra): Madam, thi is a very serious matter... (*Interruptions*)... I associate myself with this... (*Interruptions*) ...

SHRI S. MUTHU MANI: Madam, I associate myself... (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: I have given my directive that it should be conveyed to the Government. Whatever action the Government deems proper it will take... (*Interruptions*) ...

†[شری سکندر بخت : یہ کوئی مطلب نہیں ہوا - آپ بتائیے کہ کیا کرنا ہے -]

श्री सिकन्दर बख्त : यह कोई मतलब नहीं हुआ, आप बताइये कि क्या करना है?

SHRI H. HANUMANTHAPPA (Karnataka): Madam, how is it possible?... (*Interruptions*) . . . Under what rules can it be done?... (*Interruptions*) ...On an earlier occasion, it was not allowed... (*Interruptions*) ...

श्री राम नरेश यादव (उत्तर प्रदेश) : महोदया, अभी जो मामला सिन्हा जी ने उठाया है यह बड़ा गम्भीर मामला है । इसके बारे में सरकार बयान दे । यह बहुत ही शर्म की बात है ।

श्री सिकन्दर बख्त : सदर साहिबा, यह ऐसा मामला नहीं है जिसके लिए आप कायदे-कानून के रास्ते से गुजर कर किसी नतीजे पर पहुंच सकें । इसके लिए हमें किसी फार्मेलिटी की हदों से बाहर होना चाहिए ।

†[شری سکندر بخت : صدر صاحبہ یہ ایسا معاملہ نہیں ہے جسکے لئے آپ قاعدے قانون کے راستے سے گزر کر کسی نتیجے پر پہنچ سکیں - اسکے لئے ہمیں کسی فارملٹی کی حدوں سے باہر ہونا چاہئے -]

THE DEPUTY CHAIRMAN: Will all of you sit down, please?... (*Interruptions*)...It is a matter of great importance. Please do not argue... (*Interruptions*)...

SHRI GURUDAS DAS GUPTA: Madam, let the House decide... (*Interruptions*)...You request the Government immediately to take cognizance of this serious matter regarding the deaths due to starvation in various parts of the country and let the Government inform us of what they propose to do in his regard... (*Interruptions*)...

SHRI H. HANUMANTHAPPA: Let the Government come out with a report to the House... (*Interruptions*)...

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : मैडले, मैं काश्मीर के संबंध में कहने से पहले एक वाक्य में एक बात कहना चाहता हूं ।

उपसभापति : यह बात अब खत्म हो गई है । आप अपनी बात कहिये । आपको काश्मीर पर बोलने के लिए एलाऊ किया गया है, आप उस पर बोलिए ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : इसमें सरकार का सवाल नहीं है । चेयरमैन महोदय सदन की कमेटी बना सकते हैं, डेलीगेशन भेज सकते हैं ।

उपसभापति : आप काश्मीर पर बोलियें ।

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : महोदया, बड़ी मुश्किल है, जो शोरो-गुल मचाते हैं वे बोल लेते हैं... (**व्यवधान**) ।

उपसभापति : अब शोरोगुल खत्म हो गया है, आप अपनी बात कहिये ।

RE. SITUATION IN KASHMIR

श्री जगदीश प्रसाद माथुर (उत्तर प्रदेश) : आज कश्मीर में स्थिति असामान्य है । बल्कि समाचार-पत्रों के अनुसार सर्दी के मौसम के समाप्त होते ही पाकिस्तानी हमलावर शायद वहां प्रवेश करें । आये दिन हम यह भी देख रहे हैं कि हमारी सीमाओं पर मुठभेड़ें होती हैं, गोली चलती रहती है । हमारे सिपाही कभी एक-आध मारे जाते हैं, उनके भी मारे जाते हैं । इसी तरह से कश्मीर वली से हटकर जम्मू के क्षेत्र में टेरोरिस्ट घुसते चले आ रहे हैं । स्थिति अत्यन्त असामान्य है । परन्तु ऐसा लगता है कि सरकार अपने खेल में उलझी हुई है । समाचार मिले हैं कि वहां के गवर्नर श्री सक्सेना ने त्याग-पत्र दे दिया है । हो सकता है कि उनके जो एडवाइजर हैं व भी त्याग-पत्र दे दें । एक और स्थिति इतनी गंभीर है और दूसरी ओर गवर्नर हटाया जा रहा है या हट रहे हैं । क्योंकि रवैया यह हो गया है कि चाहे जगमोहन जी हों या कोई गवर्नर हो, जब उनको वहां पसंद नहीं आता तो उसकी छुट्टी कर देते हैं । दूसरी ओर...

उपसभापति : माथुर साहब, देखिये जिस मसले को सडनली उठाते हैं उसमें भाषण देने की मैं कभी अनुमति नहीं देती हूं । मसला गंभीर है इसीलिये आपको अलाऊ किया है । यह कोई डिसक्शन नहीं है । अगर आप क्वेश्चन आवर के फौरन बात के लिये, जैसा आपने चिट्ठी में चेयरमैन को लिखा है, उठा रहे हैं तो उसमें अगर पूरी तकरीर करेंगे Then I will convert it into a Spe- Don't argue please.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : मुश्किल यह है कि अभी सिन्हा साहब बोले, आपने उनको बोलने दिया । और मेंबर बोलते...

उपसभापति : मैं उनको भी बोलती । Don't argue please.

श्री जगदीश प्रसाद माथुर : तो बोलने दीजिये । सवाल यह है कि आप औरों को इजाजत दे रही हैं और मुझे रोक रही हैं ।